खंड-2

उपखंड-4

प्राचीन भारत में धर्म एवं दर्शन

(Religion and Philosophy in Ancient India)

By Manikant Singh

1. हड़प्पा सभ्यता एवं वैदिक सभ्यता के बीच धर्म के क्षेत्र में समान बिन्दुओं को दर्शाइए-

1. बहुदेववाद
2. देवी की उपासना
3. मूर्ति पूजा
4. यज्ञ

कूटः-

(a) 1, 4 (b) 1, 2, 3

(c) 1, 2, 4 (d) 1, 2, 3, 4

2. निम्नलिखित मे किस देवता को खुश करने के लिए यज्ञ ही पर्याप्त नहीं था बल्कि चरित्र को ऊँचा उठाना भी आवश्यक था-

(a) इन्द्र (b) वरूण

(c) विष्णु (d) प्रजापति

3. बुद्ध काल के धर्म की विशेषताओं के विषय में क्या सत्य है?

1. कर्म एवं पुनर्जन्म की अवधारणा

2. संन्यास जीवन को महत्व

3. वाणिज्य-व्यापार एवं नगरीकरण का विरोध

कूट:-

(a) केवल 1 (b) 1, 2

(c) 2, 3 (d) 1, 2, 3

4. **कथन (A):-** उपनिषद ने वैदिक धार्मिक परंपरा को अस्वीकार कर दिया।

कारण (R):- उसने यज्ञ की जगह ज्ञान के महत्व पर बल दिया।

कूटः

(a) A और R दोनों सत्य हैं और R, A का सही स्पष्टीकरण है।

(b) A और R दोनों सत्य हैं परंतु R, A का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) A सत्य है लेकिन R असत्य है।

(d) A असत्य है लेकिन R सत्य है।

5. बुद्ध काल में धार्मिक पंथों की बहुलता के लिए निम्नलिखित में किस/किन कारक को उत्तरादायी मानना उचित है?

1. कृषि अर्थव्यवस्था का प्रसार

2. आर्थिक-सामाजिक विभाजन

3. वैचारिक मतभेद

कूटः-

(a) केवल 1 (b) केवल 3

(c) 1, 2 (d) 1, 2, 3